संक्षिप्त विवरण (Executive Summery)

पर्यावरण प्रबंध ढांचा (Environment Management Framework)

स **पूर्वभूमिका (Background)**

किसी भी विकासशील अर्थतंत्र में कुशल कामदार अत्यंत महत्वपूर्ण पहल हैं । वैश्विकीकृत अर्थतंत्र में स्थायी विकास के लिये अच्छी गुणवत्तायुक्त और कम दामवाला उपजफल देना राष्ट्र के लिए आवश्यक हैं । भारत में, प्रणालिकागतरुप से इन्डस्ट्रीयल ट्रेईनिंग ईन्स्टिट्युट (आइटीआइस), विविध ट्रेड के लिए कुशल कार्यदल तैयार करनेवाले महत्वपूर्ण केन्द्र हैं ।। देश में उच्च गुणवत्तायुक्त व्यवसायिक शिक्षण और तालिम पद्धति को आधुनिक बनाने और विकसित करने के लिए, भारत सरकार के श्रम एवं रोजगार मंत्रालय के रोजगार एवं तालीम महानिर्देशक (DGE &T) ने करीब ५०० आईटीआई "उत्कृष्टता केन्द्र" (सेन्टर फोर अेक्सेलन्स (COE)" के स्तर पर आधुनिकीकरण प्रक्रिया प्रारंभ की हैं । प्रथम १०० आईटीआई को आंतरिक संशाधनो के जरीये आधुनिक बनाया जा रहा हैं, जब तक बाकी ४०० आईटीआई को "केन्द्रीय एवं राज्य सरकारो द्वारा व्यवसायिक तालीम सेवा के तरल सुधारणा के बाह्य सहायवाले प्रोजेक्ट" के तरल अमलीकरण की योजना हैं ।।

स **पर्यावरण प्रबंध ढांचे का हेतु (Purpose Of Environment Management, Framework)**

आईटीआई की योजना, विकास और प्रबंध में कुछ महत्वपूर्ण पर्यावरणीय जिम्मेदारीयां जुडी हो शकती हैं । किसी भी तबक्के में यह आकस्मिक अवरोध का रोकने में या पार करने में, पर्यावरण प्रबंध ढांचा एक सहायक साधन बनेगा । एक संस्था को विकसित करने के लिए, इअेइअेमअेफ निर्णय प्रक्रिया के साधन के रुप में भी उपयोगी बनेगा और सुनिश्चित करेगा की प्रोजेक्ट की डिझाईन संरचना पर्यावरणीय रुप से सुदृढ्ढ और स्थायी वास्तविकता से उभरती हैं । रोजगार एवं तालीम महानिर्देशक (DGE &T) ने पर्यावरणीय मूल्यांकन के लिए और निम्नलिखित मुख्य उद्देश्य के साथ पर्यावरण प्रबंध ढांचा (ईएमएफ) तैयार करने के लिए, सेप्ट (CEPT) युनिवर्सिटी, अहमदाबाद की व्यावसायिक सेवाए ली थी ।

(ए) वर्तमान अच्छी प्रथाओ को विस्तृत करना / बढावा देना ।

(बी) आईटीआईस के स्थल / साईटींग, डिझाइन, निर्माण, प्रबंध और निभाव के दौरान पर्यावरणीय सिद्धांतो को समाविष्ट करना.

(सी) उद्योग-निर्दिष्ट पर्यावरणीय, आरोग्य और व्यवसायिक सुरक्षा मुद्दे एवं उद्योगो के आंतरराष्ट्रीय प्रमाणो से संबंधित मांग प्रेरित उद्योग निर्दिष्ट पर्यावरणीय मुद्दो को नयी व्यवासायिक शिक्षण पद्धति को अभ्यासक्रम में संकलित करना.

स **अपनायी गई पद्धति (Methodology Adopted)**

यह संदर्भमें पर्यावरण मूल्यांकन / पर्यावरण प्रबंध ढांचेने प्रमाणो कानूनी एवं अन्य प्रावधानो की समीक्षा, स्थळ-मुलाकात और विविध हिस्सेदारो के साथ विचार-विमर्श द्वारा प्रवर्तमान स्थिति का आकलन, वर्तमान प्रथाओ का दस्तावेजीकरण, और पर्यावरण प्रबंध ढांचेने तैयार करने जैसी कामगीरी को समाविष्ट कीया ।

अनेक संबंधित कानून, नियम मेन्युअल्स, प्रमाण और मार्गदर्शिका का पर्यावरण प्रबंध ढांचे में समाविष्ट करने हेतु, आदेशात्मक एवं निर्देशक उपायो का सर्वग्राही खयाल पाने के लिए, राष्ट्रीय स्तर पर अनेक संबंधित कानून, नियम, मेन्युअल्स, प्रमाण और मार्गदर्शिकाओ की विस्तृत कागजी (डेस्क) समीक्षा की गई थी. यह संबंधित दस्तावेजो की समीक्षा में स्थळ पसंदगी और योजना, निर्माळ, पर्यावरणीय कानून, व्यवसायिक आरोग्य एवं सुरक्षाऔर ईएमअेस और ईएचअेस सहित श्रेष्ठ प्रथाओ, और विश्व बेंक की लागु की गई नीतिओ का समावेश होता है । स्थळ मूल्यांकन के भागरुप वर्तमान अभ्यासक्रम में पर्यावरण, आरोग्य और व्यावासयिक सुरक्षा के समाविष्ट मुद्दो की समीक्षा की गई थी ।

वर्तमान परिस्थिति के स्थळ मूल्यांकन के हेतु, छोटे १९ आईटीआई के नमूने आधारभूत समुह लिया गया था । यह सेम्पल्स विविध मापदंड के आधार पर पसंद कीये गये थे । ईसमें, भौगोलिक स्थळ / साईटींग / शहरी / / ग्रामीळ / पर्वतीय / समुद्रतटीय / बाढजन्य) आबोहवाकीय स्थिति (गर्भ / क्षेत्रयुक्त / सूखा / मध्यम) व्यापार का प्रदुषणीय प्रकार / प्रदुषण की संभावना (रासायणिक, प्लास्टिक, होस्पिटालीटी, सिविल, पी अेन्ड अेम, ओटोमोबाईल और आईटीआई का दरज्जा (यदि उत्कृष्टता केन्द्र के स्तर पर आधुनिकीकृत है या नहीं) संबंधित परिणामो को समाविष्ट किया गया था ।

स्थल निरिक्षण में, आईटीआई प्रबंध वर्तमान विद्यार्थी एवं हाल मेंहुए स्नातक के साथ महत्वपूर्ण मुद्दो के बारे में अभिप्राय हेतु मुलाकात समाविष्ट की गई थी ।

टेबल E-1 स्थळ मूल्यांकन (फिल्ड एसेसमेन्ट) में समाविष्ट आईटीआई की सूचि

अ.नं.	आईटीआई	स्थळ	आबोहवा	ट्रेड
१.	मोरीगांव, आसाम	समतल/ग्रामीण	भेजयुक्त, सबट्रोपीकल	सिविल
२.	गुवाहाटी, आसाम	शहेरी	भेजयुक्त, सबट्रोपीकल	सिविल
३.	दुर्गापुर, पश्चिम बंगाल	शहेरी	विषुववृत्तीय, भेजयुक्त, सूखा	ईन्स्टुमेन्टेशन
४.	शामसी, कुल्लु	पर्वतीय	शीत, बादल	इलेक्ट्रिकल
५.	बिकानेर, राजस्थान	समतल/शहेरी	सूखा (Arid)	इलेक्ट्रिकल
६.	सोलान, हिमाचलप्रदेश	शहेरी	शीत, धूप	इलेक्ट्रिकल
७.	विझाग, विशाखापट्टनम	शहेरी	गर्म, भेजयुक्त	LET & F
८.	कटक, ओरिस्सा	तटवर्तीय	उष्मा और भेजयुक्त	P & M
९.	अंकलेश्वर, गुजरात	शहेरी	गर्म और सूखा	केमिकल
१०.	गांधीनगर, गुजरात	शहेरी	गर्म और सूखा	ईन्फर्मेशन टेकनोलोजी
११.	पणजी, गोवा	तटवर्तीय	उष्मा और भेजयुक्त	होस्पीटालिटी मेनेजमेन्ट
१२.	पूसा, दिल्ही	समतल/शहेरी	अर्ध सूखा (Semi Arid)	ओटोमोबाईल्स
१३.	हिस्सार, हरियाणा	समतल/शहेरी	अर्ध सूखा (Semi Arid)	फेब्रिकेशन
१४.	करनाल, हरियाणा	समतल/शहेरी	अर्ध सूखा (Semi Arid)	लेधर
१५.	पोंडिचेरी, तमिलनाडु	ग्रामीण	उष्मा और भेजयुक्त	प्लास्टिक प्रोसेसिंग
१६.	अंबरनाथ, मुंबई	शहेरी	उष्मा और भेजयुक्त	रेफ्रिजरेशन / एसी मेईन्टेनन्स
१७.	दादर, मुंबई	शहेरी	उष्मा और भेजयुक्त	ओपेरल सेक्टर
१८.	म्हाड, महाराष्ट्र	शहेरी	उष्मा और भेजयुक्त	केमिकल
१९.	कोईम्बतूर, तमिलनाडु	शहेरी	उष्मा और भेजयुक्त	अपग्रेडेड (P & M)

फिल्ड सर्वे (स्थल सर्वेक्षण) के दौरान मूल्यांकन कीये गए कई महत्वपूर्ण परिमाणो में स्थळ और जगह का आयोजन संपर्क की सुविधा , मकान की डिझाईन और निभाव (विशेषत: उपयोग की गई सामग्री हवा की आवागमन, प्रकाश, फायर सेफ्टी) ड्रेनेज / पानी का जमा होना, मूळभूत सुविधाओ का प्रावधान और निभाव (पानी, स्वच्छता और कचरे का निकाल) मरामत की प्रथाए, प्रत्येक विद्यार्थीदीठ क्लासरुप और लेबोरेटरी / वर्कशोप की जगह की उपल्बधि, संशाधन उपयोग (उर्जा और पानी) और आसपास का वातावरण और केम्पस में सफाई, ईत्यादि पहलूओ का समावेश किया गया था ।

क्वोलिफाईड और अनुभवी प्लानर्स, आर्किटेक्ट, ईजनेर और भूगोलविद की टीम द्वारा अेक सुनियोगित प्रश्नावलि का उपयोग कीया गया था. तीन जुथ में विभाजीत की गई ईस संशोधक टुकडीने महत्वपूर्ण पर्यावरणीय, आरोग्य और सुरक्षा मुद्दो की जांच के लिए चुनी हुई आईटीआई की मुलाकात की.

स **महत्वपूर्ण निष्कर्ष (Key Finding)**

फिल्ड सर्वे और विविध हिस्सेदारो के साथ विचार विमर्श की प्रक्रिया से स्पष्ट कीये गए महत्वपूर्ण पर्यावरणीय मुद्दे निम्नलिखित चीजो से संबंधित थे

(ए) सुस्त स्थळ आयोजन और डिझाईन के मुद्दे (स्थल / स्थळ योजना / संपर्क की सुलभता / डिझाईन)

(बी) बिल्डींग और संबंधित सेवाओ के योग्य निभाव का अभाव

(सी) संशाधन के अयोग्य उपयोग के मुद्दे

(डी) पर्यावरणीय विकास उपाय का अभाव

(इ) राष्ट्रीय धोरणो / मार्गदर्शिकाओ के पालन संबंधित मुद्दे

कानूनी प्रावधान, संहिता और मार्गदर्शिका की समीक्षा से फलित हुआ है की कुछ प्रावधानो का व्यापक दौर से पालन कीया जाता हैं (जैसे कि विद्यार्थी के लिए उपलब्ध बिल्ट अप स्पेस) जबकि साईटींग (बाढजन्य क्षेत्रो में स्थळ) योग्य निर्माण सामग्री का उपयोग, फायर सेफ्टी (अग्नि सुरक्षा), शारीरिकरुप से विकलांग के लिये संपर्क सुविधा और सेफ्टी गीयर का प्रावधान / उपयोग जैसे अन्य कुछ मुद्दो पर ध्यान देने की जरुरत हैं ।

वर्तमान अभ्यासक्रम की समीक्षाने दर्शाया कि अभ्यासक्रम को बदला गया हैं, फिर भी EMS मुद्दो के पर्याप्तरुप से समाविष्ट नहीं किया गया हैं । विविध स्थल पर उद्योग स्तरिय विचार विमर्श में भी व्यवसायिक आरोग्य और सुरक्षा और पर्यावरणीय प्रबंध प्रथाओ के राष्ट्रीय या वैश्विक धोरणो के साथ अभ्यासक्रम में सुधार की जरुरत पर जोर दीया गया था ।

स **हिस्सेदारो के साथ विचारविमर्श (Consultation with Stakeholders)**

ईए (ईएमअेफ) की कवायत के भागरुप, मुलाकात, औपचारिक एवं अनौपचारिक परामर्श द्वारा विविध हिस्सेदारो के साथ विचार विमर्श किया गया था । स्थानिक स्तर पर जो हिस्सेदारो के साथ विचारविमर्श किया गया था । उसमें आईटीआई संचालक (प्रिन्सिपाल्स, फेकल्टी और अन्य स्टाफ) वर्तमान विद्यार्थी ताजा स्नातक, वरिष्ठ और मध्य सपाटी के उद्योग के प्रतिनिधिओ का समावेश होता है । ईअेमअेफ सिफ्टशोका मुसद्दा भी, जहां (DGE & T) के अधिकारी, विश्व बेंक, संबंधित राज्य डिरेक्टर स्तर क` उद्योग संघ के प्रतिनिधि ने भाग लिया था । यह कार्यशाळा के दौरान प्राप्त हुए प्रत्याघात के आधार पर, ईअेमअेफ अहेवाल का मुसद्दा में सुधार कीया गया था ।

स **पर्यावरणीय प्रबंध ढांचा (Environment Management Frame Work)**

राष्ट्रीय धोरण और क्षेत्रिय मूल्यांकन आधार पर प्रोजेक्ट के लिए, अेक पर्यावरण प्रबंध ढांचा(EMF) विकसित किया गया हैं प्रोजेक्ट से जुडी हुई संभवित विपरीत पर्यावरणीय असर को न्यूनत्तम बनाने के लिए और उस के सरभर करने के लिये, पर्यावरणीय प्रबंध ढांचे (EMF) में योग्य उपाय दर्शाये गये है, और विकसित किये गए है ।
प्रोजेक्ट के लिए तैयार किया गया पर्यावरण प्रबंध ढांचा (EMF) निम्नलिखित घटको का बना है ।

(ए) आईटीआई के आधुनिकीकरण के लिए अच्छी प्रथाए

(बी) राष्ट्रीय धोरणो / प्रमाणो के परिपालन के लिए अमलीकरण व्यवस्था

(सी) अच्छे केम्पस पर्यावरण के लिए ढांचा

(डी) अभ्यासक्रम में पर्यावरणीय स्वास्थ्य एवं सलामती व्यवस्था

(इ) अमलीकरण एवं परिपालन नियंत्रण के लिए संस्थाकीय व्यवस्था

(एफ) पर्यावरण प्रबंध ढांचे के लिए अंदाजपत्रीय आवश्यकताए

(जी) तालीम, क्षमता निर्माण एवं जाहेर निवेदन नीति

(एच) अच्छी प्रथाओ का दस्तावेजीकरण

यह ढांचा उपायो का उपयोगी समुह प्रस्तुत करता हैं जो आईटीआई के निर्माण, प्रबंध और निभाव के दौरान सामने आनेवाली विविध पर्यावरणीय, आरोग्य और सलामती समस्याओ को रोकने, न्यूनत्तम बनाने और / या संभालने में सहायरुप बनगो. उसमे निम्नलिखित चीजो को समाविष्ट किया गया हैं ।
(ए) केम्पस पर्यावरणीय प्रबंध के लिए उपाय (बी) अभ्याससूत्र में पर्यावरणीय आरोग्य और व्यावसायिक सुरक्षा के पहलूओ का समावेश (सी) आईटीआई डिझाईन, निर्माण, निभाव और प्रबंध संबंधित पर्यावरण प्रबंध प्रथाओ कि व्यापक स्वीकृति को सुनिश्चित और जागृति और जानकारी को प्रोत्साहित करने की अच्छी प्रथाओ का दस्तावेजीकरण ।

स **संस्थाकीय व्यवस्थाए (Institutional Arrangements)**

EMF को निरीक्षण, नियंत्रण और अमलीकरण के लिए जरुरी कर्मचारीओ और संसाधनो के पर्याप्त निभाव की समग्रत्या जिम्मेदारी रोजगार एवं तालीम महानिर्देशक (DGE &T), श्रम एवं रोजगार मंत्रालय (MOLE), धारण करेगा ।
प्रोजेक्ट में पर्यावरणीय प्रबंध, टेबल E-2 में निर्दिष्ट व्यवस्थाए अपनाकर किया जायेगा ।

टेबल E-2 प्रोजेक्ट के लिए संस्थाकीय व्यवस्थाए

कक्षा		बंधारण	महत्वपूर्ण कामगीरी / जिम्मेदारी	नोंध
केन्द्रीय कक्षा	NPUI	एक डेप्युटी डायरेक्टर की कक्षा के अधिकारी की नोडल पर्यावरणीय अधिकारी के रुप में नियुक्ति की जायेगी	स पर्यावरण प्रबंध ढांचे के अमलीकरण की समप्रतया जिम्मेदारी स दस्तावेजो का जाहेर निवेदन स कन्सलटन्ट की नियुक्ति के लिये TOR तैयार स क्षमता निर्माण / तालीम कार्यक्रम का आयोजन स क्रोस लर्निंग वर्कशोप का आयोजन स ग्रीन न्यूज लेटर का प्रकाशन स पर्यावरणीय चेलेन्ज फंड की स्थापना और प्रबंध स उद्योग के प्रतिनिधिओ और अन्य हिस्सेदारो के साथ संपर्क और संकलन स रिपोर्टींग और डोक्युमेन्टेशन (जानकारी और दफ्तर रखना)	NPIU कला पर प्रोजेक्ट संबंधित तमाम पर्यावरणीय प्रबंध प्रवृत्ति आयोजन और संकलन के लिये जिम्मेदार
		एक फुल टाईम कन्सलटन्ट की नोडल पर्यावरणीय विशेषज्ञ के रुप में नियुक्त की जायेगी	स सहायक-नोडल पर्यावरणीय अधिकारी को उपरोक्त निर्दिष्ठ सभी कार्यो में सहाय करना स पर्यावरण प्रबंध ढांचा परिपालन की जांच के लिए स्थळ नियंत्रण और नियंत्रण स पर्यावरणीय प्रबंध पहलुओ पर SPIU और आईटीआई के कर्मचारीओ को तालीम देना	प्रारंभिक नियुक्ति एक साल के लिए, जरुरी होने पर मुदत लंबाई जायेगी
		एक डेप्युटी डायरेक्टर फी कक्षा के अधिकारी IOP अधिकारी की अभ्यासक्रम विकसित करने के लिए	स अभ्यासक्रम सुधार में पर्यावरणीय जागृति प्रबंध विभावनाओ के विकास और संकलन उपर नजर, समीक्षा, और नियंत्रण स अभ्यासक्रम सुधार संबंधित मामलो पर नोडल EO और अन्य संबंधित हिस्सेदारो के साथ संकलन करना	ट्रेड समिति उनमे सुधारे गये अभ्यासक्रम की पर्याप्तता की समीक्षा और प्रमाणीकरण करेगी w.r.t. EM पहलुओ का संकलन
		एक अल्पकालिन कन्सलटन्ट ट्रेईनिंग स्पेशियालिस्ट के रुप में नियुक्ती की जायेगी	स तालीम जरुरतो का मूल्यांकन करेगा स तालीम योजना तैयार करना स तालीम सामग्री विकलीत करेगा स मास्टर ट्रेईनर्स / ईन्स्ट्रक्चर्स और अन्य के लिए ट्रेईनिंग कार्यक्रम हाथ धरेगा	NPUI, SPIU तालीमार्थी और तालीमार्थी और उद्योग के हिस्सेदारो से प्रतिभाव
राज्य कक्षा	SPIU	एक अधिकारी राज्य पर्यावरण अधिकारी के रुप में नियुक्त किया जायेगा	स प्रोजेक्ट्सकी जांच स पर्यावरण प्रबंध ढांचा के अमलीकरण और करार की फर्जो के पालन की समप्रत्या जिम्मेदारी स आईटीआई कक्षा पर पर्यावरण प्रबंध ढांचा परिपालन का निरीक्षण स पर्यावरण प्रबंध ढांचा के पालन के बारे में NPIU को जानकारी और डोक्युमेन्टेशन स उद्योग के प्रतिनिदि और अन्य हिस्सेदारो के साथ संपर्क और संकलन	राज्य स्तर पर प्रोजेक्ट से संबंधित तमाम पर्यावरणीय प्रबंध प्रवृत्तिओ के आयोजन और संकलन के लिए जिम्मेदार
		स्पष्ट कामगीरी के लिए अल्पकालीन कन्सलटन्ट (पर्यावरण निष्णांत, सिविल, एन्जीनियर, आर्किटेक्ट ईत्यादि	स तमाम सोंपी गई कामगीरी हाथ धरना, नोडल राज्य पर्यावरण अधिकारी को सहाय करनी (पत्र में स्पष्ट की गई कामगीरी के मुताबिक	विशिष्ट कामगीरी के लिए जरुरत होने पर हायरींग / आउटसोर्सिंग
स्थानिक स्तर	ITI	प्रिन्सिपाल	स पर्यावरण प्रबंध ढांचे में स्पष्ट कीये गये EMS सहित EMS उपायो का अमलीकरण स पर्यावरण जागृति जुंबेश	संस्था के स्तर पर तमाम पर्यावरणीय प्रबंध प्रवृत्तिओ के लिए जिम्मेदार

उपरांत EMF के पालन की निष्पक्ष समीक्षा के लिए एक पर्यावरणीय ओडीटर की सेवाए ली जायेगी, यह समीक्षा, प्रोजेक्ट अमलीकरण के दूसरे और चोथे द्रितीय के अंत में सुस्पष्ट प्रतिनिधिरुप सेम्पल का उपयोग करके की जायेगी ।

स तालीम और क्षमता निर्माण (Training and Capacity Building Plan)

वास्तविकता में पर्यावरणीय प्रबंध ढांचे के असरकारक अमलीकरण को सुनिश्चित करने के लिए एक सुदृढ्ढ तालीम और क्षमता निर्माण योजना आवश्यक हैं ।

यह संदर्भ में क्षमता नियंत्रण के कुछ अत्यंत महत्वपूर्ण तत्त्व टेबल E-3 में संक्षिप्तरुप में दिये गये है ।

टेबल E-3 क्षमता निर्माण योजना के अत्यंत महत्वपूर्ण तत्त्व

तालीम मोडयुल	कक्षा	समाविष्ट करने के अत्यंत महत्वपूर्ण क्षेत्र	समय अवधि	लक्ष्यांक जुथ
मोड्युल १.०	जागृति	स समाविष्ट करने के अत्यंत महत्वपूर्ण क्षेत्र स पर्यावरणीय क्षेत्र स पर्यावरण प्रबंध ढांचे के मूळभूत विभागनाए स कानूनी जरुरते स संदेशा व्यवहार व्यूहरचना स जाहेर निवेदन	१/२ दिन से १ दिन	लक्ष्यांक जुथ DG E & T अधिकारी और राज्य के नियामक
मोड्युल २.०	जागृति जानकारी	स पर्यावरणीय मुद्दे स पर्यावरण प्रबंध ढांचे EMF की मूळभूत विभावनाए स कानूनी जरुरते स संदेशा व्यवहार की व्यूहरचना स पर्यावरणीय रुप से संवेदनशील संरचना और डिजाईन स ग्रीन बिल्डींग / इको हाउसिंग विभावनाओ स पर्यावरणीय विस्तृतिकरण उपाय स ग्रीन कन्स्ट्रक्शन मेनेजमेन्ट	२ दिन	स्टेट डिरेक्टोरेट के अधिकारी मास्टर ट्रेईनर्स / ईन्स्ट्रकटर्स
मोड्युल ३.०	जागृति जानकारी	स पर्यावरणीय मुद्दे स पर्यावरण प्रबंध ढांचे EMF की मूळभूत विभावनाए स कानूनी जरुरते स ग्रीन कन्स्ट्रक्शन मेनेजमेन्ट स केम्पस प्रबंध में EHS पहलुए	२ दिन	आईटीआई प्रिन्सिपाल हेड फेकल्टी और संबंधित कर्मचारीगण

स **अंदाजपत्रीय प्रावधान (Budgetary Provisions)**

EMR अमलीकरण को सरल बनाने के लिए अंदाजपत्रीय प्रावधान टेबल E-4 में संक्षिप्तरुप में निर्दिष्ट कीये गए है ।

टेबल E-4, EMF अमलीकरण के लिए अंदाजपत्रीय प्रावधान पर एक नजर

अ. नं.	कक्षा	अंदाजपत्रीय प्रावधान (रु में)	कुल अंदाजपत्र (भारतीय रु में)	हेतु
१.	रोजगार एवं तालीम महानिर्देशक/ NPIU कक्षा	७९,९८,०००	७९,९८,०००	कर्मचारीगण, क्षमता निर्माण और संबंधित खर्च, न्यूजलेटर का प्रकाशन बेस्ट आईटीआई चेलेन्ज फन्ड
२.	स्टेट डिरेक्टर / SPIU कक्षा	६,००,०००	१,६२,००,०००	निर्दिष्ट अल्पकालीन कन्सल्टन्सी जरुरते और पर्यावरण तालीम
३.	आईटीआई कक्षा	५०,०००	२,००,००,०००	पर्यावरणीय जागृति और संबंधित प्रवृत्ति
	कुल	–	**४,४१,९८,०००**	

स **नोंध**

➯ पर्यावरणीय तालीम का खर्च प्रोजेक्ट के समग्र तालीम अंदाजपत्र के तहत समाविष्ट कीया जायेगा

➯ रेम्पस, फूडा एकत्रीकरण सुविधा, अग्नि सुरक्षा प्रबंधन, व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण की व्यवस्था ईत्यादि जैसी चीजो के प्रावधान का यहा समावेश कीया गया नहीं हैं । उनको संस्था की कक्षा में सिविल वर्कर / आइडीपी दरखास्त / उपकरण प्राप्ति घटक (जैसे योग्य हो) के भागरुप समाविष्ट किया जायेगा / डिजाईन पहलुओ का विस्तृत चेकलीस्ट स्पष्टरुप से ऐसी निर्दिष्ट जरुरते समक्ष करेगा

स **महत्वपूर्ण शिफारीसे (Key Recommendations)**

आईटीआई केम्पस के अंदर रहने का और काम करने के वातावरण की मुलाकात में सुधार के लिए कुछ महत्वपूर्ण सुझाव दीए गये हैं ।

(ए) केम्पस पर्यावरण प्रबंध

(१) ज्यादा सफाई, ड्रेनेज, पानी, ऊर्जा, प्राथमिक सारवार, व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण (निर्दिष्ट ट्रेड से सुसंगत हो ईस प्रकार) फुडा अेकत्रीकरण और निकाल का प्रबंधन जोखमभरी और दाहक सामग्री / रसायणो का योग्य रुप से संग्रह और विकलांग के लिए आने-जाने का अवरोधरहित मार्ग जैसी व्यवस्था / निभाव द्वारा

(२) केम्पस वातावरण में सुधार. केम्पस पर्यावरण प्रबंध योजना में समप्रत्या सुंदर और रमणीय वातावरण के लिए कुदरती सुंदरता और हेवी लगाने का भी विचार किया जा शकता हैं

(३) सिविल वर्क्स में योग्य और पर्यावरण प्रति मैत्रीपूर्ण सामग्री का उपयोग ।

(४) पर्यावरण प्रति मैत्रीपूर्ण निर्माण टेकनोलोजी का प्रयोग

(५) सलामत निर्माण / मरामत प्रथाओ का स्वीकार

(६) प्रोजेक्ट के तहत जहां भी नया निर्माण किया जाय, वहां उपर की जमीन की खुदाई, संरक्षण और पुन: उपयोग

(७) सामग्री का पुन: उपयोग / रिसायकलिंग वर्षा के पानी का सिंचन, ऊर्जा बचत उपकरण ईत्यादि जैसे पर्यावरणीय वृद्धिकरण उपायो को प्रोत्साहन

(८) सेवाए और ईमारते / या उनके भाग (यदि जरुरी हो) की डिझाईन महत्तम कार्यक्षमता ईत्यादि हांसल करे ऐसी होनी चाहिए

(बी) CSTRI के द्वारा तैयार किये जा रहे नये अभ्यास सामग्री / अभ्यासक्रम में पर्यावरण प्रबंध पहलुओ का संकलन

(सी) डोक्युमेन्टेशन और अच्छी प्रथाओ के जाहेर निवेदन द्वारा पर्यावरणीय प्रबंध के पहलुओ के बारे में जागृति फैलाना

संस्थाकिय विकास योजना (IDP) में सुचित प्रवृत्तिओके आधार पर EMF में सुझाव किया गया हैं उस तरह योग्य उपाय, हर केस को देखके लागु किये जाऐंगे EMF की महत्वपूर्ण सिफारीशे / सुझाव निम्नलिखितरुप से श्रेणीकृत किये गए हैं ।

(१) **<u>अल्पकालिन उपाय</u> : (ए)** असरकारक पर्यावरणीय प्रबंध के लिए राष्ट्रीय कक्षा की तालीम और क्षमता निर्माण **(बी)** ट्रेड निर्दिष्ट EHS अभ्यासक्रम की विगत का विकास **(सी)** DG E & T और स्टेट डिरेक्टरेट कक्षा पर पर्यावरणीय प्रबंध के लिए अमलीकरण व्यवस्थाए **(डी)** EMF में सुझाव दिए गए उपायो की योजना अमलीकरण और निरीक्षण **(इ)** अहेवाल और डोक्युमेन्टेशन

(२) **<u>दीर्घकालिन उपाय</u> : (ए)** नये अभ्यासक्रम में पर्यावरण प्रबंध पहलुओ का संकलन **(बी)** आईटीआई के आधुनिकीकरण के लिए बेस्ट आईटीआई फंड की रचना **(सी)** अनुभव के आदान प्रदान के लिए आईटीआई ग्रीन न्यूझलेटर का प्रारंभ ।

स **अनैच्छिक पुन:वास और संबंधित मुद्दे (Involuntary Resettlement and Related Issues)**

प्रोजेक्ट किसी बडे सिविल वर्कस के लिए नाणांकीय सहाय नहीं देगा, किन्तु उनके कबजे में हैं एसी जमीन पर प्रवर्तमान संस्थाओ में कुछ विस्तृतिकरण या अतिरिक्त सुविधाओ के निर्माण का ख्याल हैं । पर्यावरण स्वरुप, कोई जमीन संपादन या अनैच्छिक पुनर्वास की संभावना हैं ।

यह निश्चित करने के लिए, निम्नलिखित चीजे सुनिश्चित करने के लिए संपूर्ण सिविल वर्कर की तैयारी के भागरुप, राज्य सत्तामंडल द्वारा स्थल समीक्षा की जायेगी (ए) स्थल का लीगल टाईटल स्पष्टरुप से संस्था के नाम में या संबंधित सत्तामंडल के नाम हैं, और (बी) यह स्थल अतिक्रमण सहित किसी भी बोज से मुक्त है । और सूचित निर्माण की वजह से कोई भी व्यक्ति निवास

या आजीविका से विमुख नहीं होगी। यदि कोई भी सूचित निर्माण के स्थल पर कोई रहेता हैं या किसी व्यक्ति की आजिवीका वहां पे हैं तो किसी भी प्रकार के बोज से मुक्त वैकल्पिक स्थल ढूंढा जायेगा और उसका उपयोग किया जायेगा।

स **डोक्युमेन्टस का जाहेर निवेदन**

EMF रिपोर्ट (अंग्रेजी आवृत्ति) ईस संक्षिप्त विवरण के साथ (अंग्रेजी और हिन्दी आवृत्ति) DG E & T वेबसाईट www.dget.nic.in) पे अपलोड किया गया हैं, इस बारे में जाहेर जानकारी के हेतु अखबारो में विज्ञापन (ईंग्लीश और हिन्दी दोनो में दैनिक एक-एक) दिया गया था। यह डोक्युमेन्ट्स स्टेट डिरेक्टरेट्स को भी भेजे गये हैं ॥

स स स स स